

सूत्र २६-३२

काल लोक : अतीत काल के पुद्गल परिवर्तनों का अनन्तत्व

गणितानुयोग ७११

उ०—गोयमा ! नो संखेज्जाओ ओसप्पिणि-उत्सप्पिणीओ,
नो असंखेज्जाओ ओसप्पिणि-उत्सप्पिणीओ, अणंताओ
ओसप्पिणि-उत्सप्पिणीओ ।

एवं-जाव-सव्वद्धा^१

प०—पोगलपरियट्ठा णं भंते ! किं संखेज्जाओ ओसप्पिणि-
उत्सप्पिणीओ-जाव अणंताओ ओसप्पिणि-उत्सप्पि-
णीओ ?

उ०—गोयमा ! नो संखेज्जाओ ओसप्पिणि-उत्सप्पिणीओ,
नो असंखेज्जाओ ओसप्पिणि-उत्सप्पिणीओ, अणंताओ
ओसप्पिणीओ ।

—भग. स. २५, उ. ५, सु. ३६-३८

तीतद्धाइसु पोगलपरियट्ठाणं अणंतत्तं—

३०. प०—तीतद्धा णं भंते ! किं संखेज्जा पोगलपरियट्ठा,
असंखेज्जा पोगलपरियट्ठा अणंता पोगलपरियट्ठा ?

उ०—गोयमा ! नो संखेज्जा पोगलपरियट्ठा, नो असंखेज्जा
पोगलपरियट्ठा अणंता पोगलपरियट्ठा ।

एवं अणागतद्धा वि ।

एवं सव्वद्धा वि ।

—भग. स. २५, उ. ५, सु. ३६-४१

अणागतकालस्स अतीतकालओ समयाधिकत्तं—

३१. प०—अणागतद्धा णं भंते ! किं संखेज्जाओ तीतद्धाओ,
असंखेज्जाओ तीतद्धाओ, अणंताओ तीतद्धाओ ?

उ०—गोयमा ! नो संखेज्जाओ तीतद्धाओ, नो असंखेज्जाओ
तीतद्धाओ, नो अणंताओ तीतद्धाओ ।

अणागतद्धा णं तीतद्धाओ समयाहिया,

तीतद्धाणं अणागतद्धाओ समयूणा ।

—भग. स. २५, उ. ५, सु. ४२

सव्वद्धाए अतीतकालओ साइरेगदुगुणत्तं—

३२. प०—सव्वद्धा णं भंते ! किं संखेज्जाओ तीतद्धाओ-जाव-
अणंताओ तीतद्धाओ ?

उ०—गोयमा ! नो संखेज्जाओ तीतद्धाओ-जाव-नो अणंताओ
तीतद्धाओ ।

सव्वद्धा णं तीतद्धाओ साइरेगदुगुणा,

तीतद्धाणं सव्वद्धाओ योवूणए अद्धे ।

—भग. स. २५, उ. ५, सु. ४६

उ०—गौतम ! संख्यात अवसप्पिणी और उत्सप्पिणी नहीं हैं ।

असंख्यात अवसप्पिणी उत्सप्पिणी भी नहीं हैं, अपितु अनन्त
अवसप्पिणी उत्सप्पिणी हैं ।

इसी प्रकार सर्वकाल की अवसप्पिणी उत्सप्पिणी हैं ।

प्र०—भगवन् ! पुद्गल परिवर्तनों की अवसप्पिणियाँ और
उत्सप्पिणियाँ संख्यात हैं—यावत्—अनन्त हैं ?

उ०—गौतम ! संख्यात अवसप्पिणियाँ उत्सप्पिणियाँ नहीं हैं,
असंख्यात नहीं हैं, अनन्त हैं ।

अतीत काल के पुद्गल परिवर्तनों का अनन्तत्व—

३०. प्र०—भगवन् ! अतीत काल के पुद्गल परावर्तन क्या
संख्यात थे, असंख्यात थे, या अनन्त थे ?

उ०—गौतम ! संख्यात पुद्गल परिवर्तन नहीं थे, असंख्यात
नहीं थे, अनन्त थे ।

इसी प्रकार अनागत काल के पुद्गल परिवर्तन होंगे ।

इसी प्रकार सर्वकाल के पुद्गल परिवर्तन हैं ।

अतीत काल से अनागत काल का समयाधिकत्व—

३१. प्र०—भगवन् ! अतीत काल से अनागत काल क्या संख्यात
हैं, असंख्यात हैं या अनन्त हैं ?

उ०—गौतम ! अतीत काल से संख्यात नहीं हैं, असंख्यात
नहीं हैं, अनन्त नहीं हैं ।

अतीत काल से अनागत काल एक समयाधिक हैं ।

अनागत काल से अतीत काल एक समय कम हैं ।

अतीत काल से सर्वकाल का कुछ अधिक दुगुणापन—

३२. प्र०—भगवन् ! अतीत काल से सर्वकाल क्या संख्यात हैं ?
—यावत्—अनन्त हैं ?

उ०—गौतम ! अतीत काल से सर्वकाल न संख्यात हैं—
यावत्—न अनन्त हैं ।

अतीत काल से सर्वकाल कुछ अधिक हैं ।

सर्वकाल से अतीत काल कुछ कम हैं ।

३ एकवचन के सूत्र ।